द लाइन

Where coaching ends and clinical care begins in India: the Mental Healthcare Act 2017, medical-council rules and ASCI advertising codes on one page — and how a wellness platform stays on the right side of all three

डॉ. अतुल असवानी; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच
22 September 2026

द लाइन

Where coaching ends and clinical care begins in India: the Mental Healthcare Act 2017, medical-council rules and ASCI advertising codes on one page — and how a wellness platform stays on the right side of all three

संकट में हैं? टेली-मानस 14416 / 1800-891-4416 पर कॉल करें — मुफ़्त, 24 घंटे। (Government of India)

यह पेपर कानूनी सलाह नहीं है। यह लीगल, खरीद और एचआर टीम के लिए एक सादा नक्शा है। वेलनेस प्लेटफ़ॉर्म खरीदने से पहले नियम का रिस्क देखना है। इससे वकील-क्लाइंट रिश्ता नहीं बनता। अपने मामले पर भारत में दर्

इस पेपर में

01 Executive summary
02 The problem in India
03 Why current approaches fail
04 The emotional-fitness model applied
05 The one-page map
06 Measurement
07 Implementation
08 One-page checklist the reader can run this week
09 FAQ
10 References

लेखक

डॉ. अतुल असवानी; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच

प्रकाशित

22 September 2026 · हिंदी संस्करण · emotionapp.in/research

01 Executive summary

मुंबई में एक खरीद मैनेजर वेलनेस ऐप का ब्रोशर पलटती है। गंभीरता का रंगीन बैंड, कोने में एक मनोचिकित्सक का चेहरा। यह कोचिंग है या क्लिनिक? गलत वेलनेस विज्ञापन देने वाले पर दो साल तक जेल हो सकती है। Consumer Protection Act 2019 की धारा 89 के तहत दस लाख रुपये तक जुर्माना भी है। द लाइन (The Line) — कोचिंग (हुनर, गैर-क्लिनिकल) और क्लिनिकल केयर (आकलन, डायग्नोसिस और मानसिक बीमारी का इलाज) के बीच की सीमा — यही कोचिंग बनाम थेरेपी India law का असल फ़ैसला है। लाइन पार की तो प्रोडक्ट अस्पताल, टेलीमेडिसिन या झूठा दावा लग सकता है। कोचिंग वाली तरफ रहे तो कंपनी हुनर का प्रोग्राम खरीदती है, बिना रजिस्टर क्लिनिक नहीं।

Mental Healthcare Act 2017 कोच को लाइसेंस नहीं देता। यह क़ानून मानसिक हेल्थकेयर चलाता है। और उन जगहों को, जहाँ मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति को भर्ती किया जाता है या रखा जाता है। मेडिकल काउंसिल के नियम डॉक्टर के विज्ञापन पर लगाम लगाते हैं। ASCI कहता है कि सेहत से जुड़े दावे का सबूत होना चाहिए।

इमोशनऐप (EmotionApp) कोचिंग वाली तरफ रहता है। काम रोज़ गिने जाने वाले रेप्स हैं। स्क्रीनर अगर लगे तो सिर्फ़ पता करके रास्ता दिखाते हैं। गंभीरता का स्कोर नहीं दिखाते। एआई कोच सलाह नहीं देता। दवाई नहीं लिखता। संकट का संकेत टेली-मानस 14416 पर जाता है। कंपनी के डैशबोर्ड पर रेप्स, स्ट्रीक, शब्द-भंडार और भागीदारी दिखती है। कोई क्लिनिकल फ़ाइल नहीं रहती। यह पेपर तीन नियमों को एक पन्ने पर रखता है। ताकि वह खरीद मैनेजर ब्रोशर के पहले पन्ने पर ही फ़र्क पकड़ ले।

02 The problem in India

भारत में क्लिनिकल मानसिक हेल्थकेयर की ज़रूरत बड़ी है। विशेषज्ञ कम हैं। इसी गैप की वजह से कंपनियाँ वेलनेस प्रोग्राम खरीदती हैं। इसी गैप से प्रोग्राम क्लिनिकल भाषा बोलने लगते हैं। उनके पास वह लाइसेंस नहीं होता।

National Mental Health Survey of India, 2015-16 आख़िरी पूरी राष्ट्रीय स्टडी है। इसे Ministry of Health and Family Welfare ने मंगवाया। NIMHANS ने किया (NIMHANS Publication No. 129)। 18 साल और ऊपर के वयस्कों में जीवनभर यह स्थिति 13.7 फ़ीसदी लोगों में थी। इस समय 10.6 फ़ीसदी में थी। स्टडी ने 12 राज्यों

में 34,802 लोगों से बात की। अनुमान था कि क़रीब 15 करोड़ भारतीयों को मानसिक हेल्थकेयर चाहिए। क़रीब 15 फ़ीसदी वयस्कों को किसी न किसी मुद्दे पर सक्रिय मदद चाहिए।

उसी स्टडी ने नापा कि कितने लोगों को कोई केयर नहीं मिली। आम मानसिक विकारों में यह आँकड़ा 85.0 फ़ीसदी था। गंभीर विकारों में 73.6 फ़ीसदी। शराब संबंधी विकारों में 86.3 फ़ीसदी। डिप्रेसिव डिसऑर्डर में 85.2 फ़ीसदी। महानगरों में इस समय का आँकड़ा 14.71 फ़ीसदी था। गाँव में 9.57 फ़ीसदी। छोटे शहरों में 9.73 फ़ीसदी।

डॉक्टरों की संख्या खरीद का दबाव समझाती है। Parliamentary Standing Committee on Health and Family Welfare की 148वीं रिपोर्ट (4 August 2023) में 0.75 मनोचिकित्सक प्रति 100,000 लोग दर्ज हैं। काम कर रहे मनोचिकित्सक क़रीब 9,000 हैं। कमेटी का टारगेट तीन मनोचिकित्सक प्रति 100,000 था। इसके लिए क़रीब 36,000 डॉक्टर चाहिए। कमी क़रीब 27,000 की बनी। साल में क़रीब 1,000 नए मनोचिकित्सक जुड़ते हैं। छूटने वालों को छोड़कर कमेटी ने गैप भरने में क़रीब 27 साल बताए। कमेटी ने WHO Mental Health Atlas 2020 का वैश्विक औसत 1.7 प्रति 100,000 लिया। यह पेपर तीन-प्रति-100,000 टारगेट WHO का नहीं कहता। यह आँकड़ा कमेटी का है।

WHO India के पन्ने पर, 22 September 2026 को देखे गए आँकड़े ये हैं। बोझ 2,443 DALY प्रति 100,000 है। उम्र के हिसाब से आत्महत्या दर 21.1 प्रति 100,000 है। 2012-2030 में मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से नुकसान USD 1.03 trillion आँका गया।

सरकार ने सार्वजनिक संकट लाइन बनाई है। टेली-मानस (Tele-MANAS), National Tele Mental Health Programme, 10 October 2022 को शुरू हुआ। यह 24x7 सेवा 14416 और 1800-891-4416 पर है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री के लोकसभा लिखित जवाब में, 3 March 2026 तक, 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, 53 सेल, 20 भाषाएँ और लॉन्च के बाद 34.34 लाख से ज़्यादा कॉल दर्ज हैं।

नीचे की तुलना वही समस्या है जो खरीद टीम देखती है। ज़रूरत बड़ी है। विशेषज्ञ कम हैं। ऐप जगह भरते हैं। क़ानून अब भी कोचिंग और क्लिनिकल केयर को अलग रखता है।

Table 1. India at a glance — need, supply, public channel

Indicator	Figure	Primary source
Current prevalence, any mental morbidity	10.6%	NMHS 2015-16
Lifetime prevalence	13.7%	NMHS 2015-16
Adults estimated to need intervention	~15% / ~150 million	NMHS 2015-16
Unmet-need share, common mental disorders	85.0%	NMHS 2015-16
Unmet-need share, severe mental disorders	73.6%	NMHS 2015-16

Indicator	Figure	Primary source
Psychiatrists per 100,000	0.75	PSC 148th Report, 2023
Working psychiatrists	~9,000	PSC 148th Report, 2023
Years to 3 per 100,000 at current throughput	~27	PSC 148th Report, 2023
Tele-MANAS calls since October 2022	34.34 lakh (as on 3 Mar 2026)	MoHFW Lok Sabha reply
WHO India DALYs	2,443 per 100,000	WHO India page
Age-adjusted suicide rate	21.1 per 100,000	WHO India page

स्टडी के साल 2015-16 हैं। Standing Committee ने 2023 में कहा कि तस्वीर लगभग वैसी ही है। दूसरी National Mental Health Survey का ऐलान हो चुका है। उसकी रिपोर्ट आने तक ये ही पक्के राष्ट्रीय आँकड़े हैं।

03 Why current approaches fail

Mental Healthcare Act 2017 wellness apps that score and label

खरीद आदेश के दोनों तरफ़ दो चूक बैठती हैं।

पहली चूक प्रोडक्ट की है। बहुत से ऐप यूज़र की जाँच करते हैं। स्कोर देते हैं। लेबल लगाते हैं। फिर ऐसा प्रोग्राम देते हैं जो क्लिनिकल केयर जैसा लगता है। दुकान के बोर्ड पर बीमारी वाले शब्द होते हैं। गंभीरता के बैंड। नाम के साथ रिस्क फ़्लैग। "डिप्रेशन के प्रोग्राम"। एआई जो "सलाह" देता है। Mental Healthcare Act 2017 में मानसिक हेल्थकेयर में व्यक्ति की मानसिक स्थिति का विश्लेषण और डायग्नोसिस शामिल है। साथ में इलाज, देखभाल और फिर से सँभालना भी, मानसिक बीमारी या उसके शक पर (section 2(o))। मानसिक बीमारी तय करने का काम राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मेडिकल मानकों से होना चाहिए। इसमें ताज़ा ICD भी है (section 3(1))। कोई व्यक्ति या अथॉरिटी किसी को मानसिक बीमारी वाला न कहे, सिवाय उस देखभाल के जो इस क़ानून या दूसरे क़ानून में हो (section 3(2))। बिना रजिस्टर प्रोडक्ट जो स्कोर दे, लेबल लगाए, फिर क्लिनिकल केयर कहे — वह स्मार्ट वेलनेस नहीं है। वह द लाइन पार कर चुका है।

Telemedicine Practice Guidelines 2020 दूसरी ताला है। यह Indian Medical Council (Professional Conduct, Etiquette and Ethics) Regulations, 2002 का Appendix 5 है। टेलीमेडिसिन सिर्फ़ Registered Medical Practitioner कर सकता है। Guidelines की clause 5.4 कहती है: “Technology platforms based on Artificial Intelligence/Machine Learning are not allowed to counsel

the patients or prescribe any medicines to a patient. Only a RMP is entitled to counsel or prescribe and has to directly communicate with the patient in this regard." जो "एआई काउंसलर" RMP नहीं है, वह धुंधला क्षेत्र नहीं है। वह Guidelines के बाहर है। नियम तोड़ने वाले प्लेटफ़ॉर्म को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। तब कोई RMP उसका इस्तेमाल नहीं कर सकता।

दूसरी चूक खरीदने वाले की है। खरीद टीम को ब्रोशर से नियम का रिस्क नापना पड़ता है। ब्रोशर अस्पताल जैसे शब्द इस्तेमाल करता है। कॉन्ट्रैक्ट नहीं बताता कि विक्रेता कोच है, काउंसलर है, क्लिनिक है या सॉफ़्टवेयर कंपनी। डेटा एडेंडम नहीं बताता कि गंभीरता का स्कोर कंपनी की फ़ाइल में बैठेगा या नहीं। एचआर नहीं जान पाता कि उसने हुनर की प्रैक्टिस खरीदी या बिना रजिस्टर मानसिक स्वास्थ्य सेंटर। लीगल नहीं जान पाता कि लैंडिंग पेज पर मनोचिकित्सक का चेहरा शिक्षा है या मरीज़ बटोरना, 2002 Regulations की clause 6.1.1 के तहत। नतीजा एक खरीद है जो ज़िम्मेदार लगती है। और रेगुलेटर, कंज़्यूमर फ़ोरम या कर्मचारी के वकील के सवाल पर टिकती नहीं।

Mental Healthcare Act 2017 wellness apps जो यह फ़र्क मिटाते हैं, "I agree" क्लिक से सुरक्षित नहीं हो जाते। वे एक फ़ाइल बन जाते हैं।

04 The emotional-fitness model applied

ख़ास बात

टेली-मानस ने 10 October 2022 से 34.34 लाख कॉल संभालीं। नंबर है 14416।

इमोशनऐप भारतीय प्रोफ़ेशनल्स के लिए गैर-क्लिनिकल इमोशनल फ़िटनेस (Emotional Fitness) कोचिंग प्लेटफ़ॉर्म है। पॉज़िटिव साइकोलॉजी के तरीक़े रोज़ गिने जाने वाले रेप्स में मिलते हैं। एआई कोच हुनर की भाषा में रहता है। फिर इंसान को सौंपता है। डिलीवरी पहले व्हाट्सऐप पर है। प्रोडक्ट 23 भारतीय भाषाओं में है। डेटा भारत में रहता है। डिज़ाइन का टारगेट DPDP के हिसाब से चलना है। भारत में होस्टिंग एक पॉलिसी फ़ैसला है, क़ानून की सबसे निचली लाइन से ऊपर। Digital Personal Data Protection Act 2023 की धारा 16 केंद्र सरकार को विदेश भेजने पर रोक लगाने देती है। यह अपने आप हर सिस्टम को भारत की मिट्टी पर बैठने का हुक्म नहीं देती। ऑपरेटिंग सिस्टम ISO 9001 और ISO 13485 के तहत बना है। कंपनी Tranquilo Meditek Sytems Private Limited, Mumbai है।

चार डिज़ाइन नियम प्रोडक्ट को द लाइन की कोचिंग वाली तरफ रखते हैं।

शब्दों का कायदा। प्रोडक्ट डायग्नोसिस, इलाज या थेरेपी का दावा नहीं करता। ये तीन शब्द इमोशनऐप के सामान में तभी आते हैं जब द लाइन का नाम हो, या इनकार में। International Coaching Federation कोचिंग को साझेदारी कहता है। सोच जगाने वाली, रचनात्मक प्रक्रिया, जिससे व्यक्ति अपनी निजी और प्रोफ़ेशनल ताकत बढ़ाए। ICF Core Competency 1 कहती है कि कोच कोचिंग, कंसल्टिंग, साइकोथेरेपी और दूसरी मदद के फ़र्क को बनाए रखे। काम कोचिंग से बाहर जाए तो आगे भेजे। यही परिभाषा इमोशनऐप लेता है। यह क़ानूनी लाइसेंस नहीं है। भारत में कोचों का ICF जैसा सरकारी रजिस्टर नहीं चलता। बात छोटी है: कोचिंग एक नाम वाली गतिविधि है। उसकी अपनी नैतिकता है। वह section 2(o) की मानसिक हेल्थकेयर नहीं है।

स्क्रीनर पता करें और रास्ता दिखाएँ, स्कोर न दें। सार्वजनिक स्क्रीनर द्वार की तरह लग सकते हैं। वे यह देखने के लिए हैं कि व्यक्ति को दूसरी मदद चाहिए या नहीं। फिर उसे कोच, विशेषज्ञ या टेली-मानस 14416 पर भेजते हैं। वे गंभीरता का नंबर नहीं बनाते। रंग का बैंड नहीं। कर्मचारी के नाम पर क्लिनिकल लेबल नहीं रखते। वजह Act की section 3(2) है। किसी को मानसिक बीमारी वाला कहना क़ानूनी काम है। उसका क़ानूनी मक़सद है। कंपनी को दिखने वाला स्कोर वह मक़सद नहीं है।

इंसान को सौंपना। एआई परत रेप्स गिनती है। प्रैक्टिस याद दिलाती है। अभ्यास के सवाल का जवाब देती है। सलाह नहीं देती। दवाई नहीं लिखती। बात हुनर की प्रैक्टिस से आगे निकले तो इंसान कोच धागा पकड़ता है। व्यक्ति को कोचिंग से ज़्यादा चाहिए तो रास्ता विशेषज्ञ या सार्वजनिक संकट सेवा की ओर है। एआई इसी बिंदु पर चुप होता है। वजह Telemedicine Practice Guidelines 2020 है।

क्लिनिकल पहचान और प्लेटफ़ॉर्म मार्केटिंग अलग। इस पेपर की बायलाइन में एक मनोचिकित्सक है और ट्रेंड रिज़ल्ड्ड कोच भी। यह लेखक का तथ्य है। इससे प्लेटफ़ॉर्म को मरीज़ बटोरने का लाइसेंस नहीं मिलता। 2002 Regulations की clause 6.1.1 कहती है कि डॉक्टर, डॉक्टरों का समूह या संस्थान सीधे या घुमा-फिराकर मरीज़ बटोरें तो वह अनैतिक है। National Medical Commission Registered Medical Practitioner (Professional Conduct) Regulations, 2023 ने विज्ञापन और टेलीमेडिसिन नियम दोहराए होते। ये 2 August 2023 को गज़ट में छपे। 23 August 2023 को रोक दिए गए। अगली गज़ट सूचना तक 2002 Regulations ही चालू नियम हैं। इसलिए इमोशनऐप का मार्केटिंग कोचिंग, रेप्स और भाषाएँ बताता है। वह क्लिनिकल पहचान से ऐसे क्लिनिक की ओर नहीं बुलाता, जो प्लेटफ़ॉर्म है ही नहीं।

05 The one-page map

नीचे की टेबल वही कागज़ है जो खरीद टीम माँगती है। हर पंक्ति एक काम है। हर कॉलम पूछता है — कौन कर सकता है, किस नियम से, इमोशनऐप कहाँ खड़ा है। कोचिंग बनाम थेरेपी India law पहली चार पंक्तियाँ हैं, आख़िरी दो के सामने।

Table 2. Activities × who may do them × the instrument × EmotionApp

Activity	Who may do it	Instrument	EmotionApp
Screening with a public-domain tool, used only to detect and route	A platform that does not classify the person under MHCA s.3(2)	MHCA s.3(2); ICF Competency 1.07 (refer)	Yes — route only; no label stored
Scoring or displaying severity against a named person	A mental health professional, using accepted medical standards, for a purpose the Act allows	MHCA s.3(1)-(2)	No
Coaching — skills, reps, vocabulary, habits	A coach under the ICF definition. A coach is not a mental health professional under s.2(r)	ICF Code of Ethics; ICF Competency 1.06-1.07. Not MHCA Chapter X	Yes
Crisis routing to a public service	Any responsible platform	Public service (Tele-MANAS); ordinary duty of care	Yes — 14416 / 1800-891-4416
Clinical counselling	A mental health professional under s.2(r), or an RMP	MHCA s.2(r); Telemedicine Practice Guidelines 2020 if remote	No. Hand-off only
Prescribing	An RMP only	Telemedicine Practice Guidelines 2020; drugs law as applicable	No

तीन और नियम हर पंक्ति पर बैठते हैं।

पहला, Mental Healthcare Act 2017 का Chapter XI Section 2(p) मानसिक स्वास्थ्य सेंटर को स्वास्थ्य संस्थान कहता है, चाहे नाम कुछ भी हो। वह पूरी तरह या आंशिक रूप से मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति की देखभाल के लिए हो। जहाँ ऐसे व्यक्ति भर्ती हों और रहें, या रखे जाएँ, देखभाल, इलाज, convalescence और फिर से सँभालने के लिए। परिवार का घर बाहर है। Section 65(1) कहती है कि कोई व्यक्ति या संगठन ऐसा सेंटर बिना अथॉरिटी के रजिस्टर चलाए नहीं। Section 107(1) बिना रजिस्टर सेंटर चलाने पर जुर्माना तय करती है। पहली बार पाँच हज़ार से पचास हज़ार रुपये। दूसरी बार पचास हज़ार से दो लाख। उसके बाद दो लाख से पाँच लाख। Section 107(2) बिना रजिस्टर सेंटर में जानबूझकर मानसिक स्वास्थ्य प्रोफ़ेशनल बनने पर पच्चीस हज़ार तक जुर्माना रखती है। व्हाट्सऐप-फ़र्स्ट कोचिंग सेवा जो किसी को भर्ती नहीं करती, घर नहीं

देती, रखती नहीं — वह section 2(p) के शब्दों के बाहर है। ऐप स्टोर का नाम फ़ैसला नहीं करता। भर्ती और रहना करता है। यह पेपर पूरी छूट का दावा नहीं करता। यह परिभाषा पढ़ता है। प्रोडक्ट वहीं रखता है।

दूसरा, विज्ञापन क़ानून। ASCI Code, Chapter I, कहता है कि विज्ञापन सच हों। जो दावे नापे जा सकें, उनका सबूत हो। ज़रूरी बात छिपाना मना है अगर छिपाने से धोखा हो। दर्शक अस्वस्थ हो तो और सावधानी। ASCI के इंफ़्लुएंसर दिशानिर्देश कहते हैं कि सेहत के तकनीकी मुद्दे पर बोलें तो योग्यता लिखें। Consumer Protection Act 2019 की धारा 2(28) भ्रामक विज्ञापन बताती है। झूठा ब्यौरा। झूटी गारंटी, या चीज-गुण-मात्रा पर गुमराह करने वाला बयान। छिपा अन्यायपूर्ण व्यापार। या जानबूझकर ज़रूरी जानकारी दबाना। धारा 21 Central Consumer Protection Authority को विज्ञापन बंद या बदलने का आदेश देने देती है। बनाने वाले या एंडोर्सर पर दस लाख तक जुर्माना (दोबारा पर पचास लाख)। एंडोर्सर पर एक साल तक रोक (दोबारा पर तीन साल)। धारा 89 वही आपराधिक छत है जो सार में आई।

तीसरा, मेडिकल काउंसिल के नियम। 2002 Regulations की clause 6.1.1 मरीज़ बटोरने पर अब भी चालू रोक है। Telemedicine Practice Guidelines 2020 उन्हीं Regulations का Appendix 5 हैं। 2023 के NMC Regulations इंडेक्स पर हैं। लागू नहीं हैं।

क्या भारत में कोचिंग रेगुलेट होती है? क्लिनिकल केयर की तरह नहीं। खरीददार के लिए वह विज्ञापन से बँधी है। उपभोक्ता सुरक्षा से। डेटा सुरक्षा से। और उस नैतिकता से जो कोच ने मानी। यह कागज़ की दूसरी गड्डी है, Chapter X से अलग। गड्डियाँ मिलाना ही रिस्क है।

06 Measurement

जो नापा जाता है, वह संभाला जाता है। जो संभाला जाता है, वह माँगा जा सकता है, लीक हो सकता है, या क्लिनिकल फ़ाइल समझ लिया जा सकता है। इसलिए नापना भी द लाइन का हिस्सा है। बाद की सोच नहीं।

कंपनी के डैशबोर्ड पर संख्या की चार किस्में हैं।

Rep counts. तरीक़ा कितनी बार पूरा हुआ। रेप पूरा अभ्यास है, लक्षण नहीं।

Streaks. लगातार प्रैक्टिस के दिन। स्ट्रीक नियमितता है, गंभीरता नहीं।

Emotional-vocabulary breadth. व्यक्ति ने कितने अलग भाव-शब्द ठीक से इस्तेमाल किए। बड़ा शब्द-भंडार हुनर का नाप है। यह डायग्नोसिस नहीं है।

Participation. कौन जुड़ा, कौन सक्रिय है, किसने रोका। गिनती और भागीदारी। केस रजिस्टर नहीं।

कंपनी कभी नहीं देखती: गंभीरता का स्कोर, क्लिनिकल लेबल, नाम से बँधी स्क्रीनर फ़ाइल, कोचिंग बातचीत की कॉपी, संकट-फ़्लैग की कहानी, या कोई रिकॉर्ड जिससे मैनेजर यह अनुमान लगाए कि अमुक कर्मचारी मानसिक बीमारी वाला व्यक्ति है।

यह ब्रांड की पसंद नहीं है। Act की section 3(2) श्रेणी में डालना रोकती है। Digital Personal Data Protection Act 2023 मक़सद बाँधता है। व्यक्तिगत डेटा का भारत से जुड़ा रख-रखाव माँगता है। जिसे क्लिनिकल फ़ाइल कभी मिली ही नहीं, वह गलती से उसका मालिक नहीं बनता। जो कर्मचारी व्हाट्सऐप पर अपनी सोच की भाषा में प्रैक्टिस करता है, वह अस्पताल का चार्ट नहीं बनाता।

प्रोडक्ट का वाक्य है: गिनती, इक़बाल नहीं। क़ानून का वाक्य है: डैशबोर्ड ट्रेनिंग लॉग है।

07 Implementation

जो खरीददार प्रोडक्ट और द लाइन एक ही कॉन्ट्रैक्ट में चाहता है, वह यह नब्बे दिन का प्लान चला सकता है। मालिक संकेत भर हैं। हर मेट्रिक हाँ-ना या गिनती है। स्टीयरिंग ग्रुप किसी पंक्ति पर उँगली रखे, तो जवाब एक शब्द में आए।

Table 3. Ninety-day plan

Week	Owner	Action	Metric
1	Legal	Record in writing that the paper is not legal advice; instruct local counsel on MHCA ss.2(o), 2(p), 2(r), 2(s), 3, 65, 107; IMC 2002 cl. 6.1.1; Telemedicine 2020; CPA ss.2(28), 21, 89; ASCI Chapter I	Counsel note on file
1	Procurement	Issue a vendor questionnaire that tracks Table 2, row by row	12 rows answered in writing
2	HR	Draft employee-facing copy: coaching, reps, not a substitute for clinical care; Tele-MANAS 14416 in the footer	Copy signed off by Legal
2	Vendor	Confirm India-resident data, DPDP purpose limitation, retention schedule, no severity store	Architecture letter
3	Legal + Vendor	Separate clinical identity from platform marketing; remove any solicitation risk under cl. 6.1.1	Marketing pack red-lined
3	HR	Name the human hand-off path and the crisis path; test both	Two test tickets closed
4	Information security	Confirm WhatsApp-first delivery does not create a shadow clinical archive	Data-flow diagram accepted
4	HR	Choose languages for the first cohort from the 23 available	Language list published
5-6	HR + Vendor	Pilot with one function; dashboard limited to reps, streaks, vocabulary, participation	Pilot n and four dashboard tiles only
7	Legal	ASCI substantiation file for every health-adjacent claim in the employee pack	One file per claim
8	HR	Pulse on clarity: did employees understand this is coaching?	>=80% "yes, coaching"
9	Procurement	Contract schedule: The Line clauses — no scoring, no classification, no prescribing, crisis routing, audit rights	Schedule initialled
10-12	HR	Expand cohort; keep the same four tiles; do not add a fifth that looks like severity	Live tiles = 4

Week	Owner	Action	Metric
12	Legal + HR	Ninety-day review against Table 2 and the checklist in section 8	Written review to CHRO

प्लान जानबूझकर सूखा है। सूखा ही बात है। लॉन्च की पिछली शाम कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स प्रेस नोट में “क्लिनिकल नतीजे” जोड़ना चाहे, तो वेलनेस लॉन्च पहले ही द लाइन की ओर बढ़ चुका है।

08 One-page checklist the reader can run this week

☐ विक्रेता के कॉन्ट्रैक्ट में सेवा कोचिंग है, क्लिनिकल केयर नहीं।

☐ मार्केटिंग कॉपी में आकलन, श्रेणी में डालना या मानसिक बीमारी मिटाने का दावा नहीं।

☐ गंभीरता का स्कोर बनता नहीं, दिखता नहीं, संभाला नहीं जाता।

☐ सार्वजनिक स्क्रीनर, अगर लगें, सिर्फ़ रास्ता दिखाते हैं।

☐ संकट प्रोटोकॉल में टेली-मानस 14416 और 1800-891-4416 लिखा है।

☐ कंपनी डैशबोर्ड रेप्स, स्ट्रीक, शब्द-भंडार और भागीदारी दिखाता है — क्लिनिकल डेटा कभी नहीं।

☐ विक्रेता से जुड़ा कोई चिकित्सक प्लेटफ़ॉर्म के लिए मरीज़ नहीं बटोरता (IMC 2002, clause 6.1.1)।

☐ डेटा भारत में रहता है। DPDP का मक़सद लिखित है।

☐ इंसान को सौंपने का रास्ता है। एक बार जाँचा जा चुका है।

☐ हर सेहत-नुमा दावे की ASCI-तैयार सबूत फ़ाइल है।

☐ कर्मचारी वाली सतह पर लिखा है: “क्लिनिकल केयर का विकल्प नहीं।”

☐ खरीद टीम के पास नोट है कि यह पेपर कानूनी सलाह नहीं है।

☐ NMC 2023 Professional Conduct Regulations रोक में दर्ज हैं। चालू विज्ञापन नियम IMC 2002 है।

☐ Section 2(p) की भर्ती-और-रहना कसौटी असली डिलीवरी मॉडल पर लगाई गई है, ब्रांड नाम पर नहीं।

लिस्ट उस विक्रेता पर भी चलाएँ जो पहले से है। सिर्फ़ नए पर नहीं। सस्ता रिस्क वही कॉन्ट्रैक्ट है जो पढ़ा ही नहीं गया।

09 FAQ

Q1 Is coaching regulated in India the way clinical care is?

नहीं। Mental Healthcare Act 2017 मानसिक हेल्थकेयर चलाता है (s.2(o))। और वे सेंटर जहाँ मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति भर्ती हों या रखे जाएँ (s.2(p), s.65)। ICF की कोचिंग हुनर की साझेदारी है। कोच s.2(r) के मानसिक स्वास्थ्य प्रोफ़ेशनल नहीं हैं। भारत में कोचों का ICF जैसा सरकारी लाइसेंस नहीं है।

Q2 Can a wellness app display a depression score to HR?

सुरक्षित नहीं। MHCA s.3(2) कहती है कि कोई व्यक्ति किसी को मानसिक बीमारी वाला न कहे, सिवाय क़ानून वाली देखभाल के। कर्मचारी के नाम पर गंभीरता का स्कोर श्रेणी में डालने के पास है, कोचिंग के नहीं। इमोशनऐप गंभीरता दिखाता नहीं, रखता नहीं।

Q3 What does a misleading wellness claim cost?

Consumer Protection Act 2019 s.89 के तहत गलत विज्ञापन देने वाले को पहली बार दो साल तक जेल और Rs 10 लाख तक जुर्माना हो सकता है। दोबारा पर पाँच साल और Rs 50 लाख। CCPA s.21 से विज्ञापन भी उतरवा सकता है।

Q4 May a psychiatrist advertise the coaching platform?

IMC 2002 clause 6.1.1 — NMC 2023 नियमों के 23 August 2023 को रोक लगने के बाद भी चालू कोड — मरीज़ बटोरना अनैतिक मानती है। क्लिनिकल पहचान और प्लेटफ़ॉर्म मार्केटिंग अलग रहें। प्रैक्टिस के औपचारिक ऐलान सात मौक़ों तक सीमित हैं।

Q5 **Does an AI coach count as telemedicine?**

नहीं। और कोशिश भी न करे। Telemedicine Practice Guidelines 2020 Registered Medical Practitioners पर लागू हैं। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या मशीन लर्निंग वाले प्लेटफ़ॉर्म मरीज़ को सलाह नहीं दे सकते। दवाई नहीं लिख सकते। इमोशनऐप का एआई रोज़ गिने रेप्स में रहता है। संकट का संकेत टेली-मानस 14416 पर जाता है।

10 References

Primary sources only.

1. The Mental Healthcare Act, 2017 (Act No. 10 of 2017), Gazette of India, 7 April 2017; commenced 29 May 2018 by S.O. 2173(E). Sections 2(o), 2(p), 2(r), 2(s), 2(y), 3, 65, 107. https://ruralindiaonline.org/media/documents/The_Mental_Healthcare_Act_2017.pdf

2. Indian Medical Council (Professional Conduct, Etiquette and Ethics) Regulations, 2002, Gazette of India, 6 April 2002, Chapter 6, clause 6.1.1. Operative professional-conduct code after 23 August 2023. https://www.nmc.org.in/rules-regulations/professional-conduct/

3. National Medical Commission Registered Medical Practitioner (Professional Conduct) Regulations, 2023, notified 2 August 2023; held in abeyance by the National Medical Commission Registered Medical Practitioner (Professional Conduct) (Amendment) Regulations, 2023, 23 August 2023. NMC Rules and Regulations index, item 1.1. https://www.nmc.org.in/page/rules-regulations-rules-regulations-nmc

4. Board of Governors in supersession of the Medical Council of India, in partnership with NITI Aayog, Telemedicine Practice Guidelines: Enabling Registered Medical Practitioners to Provide Healthcare Using Telemedicine, 25 March 2020, Appendix 5 of the 2002 Regulations. https://www.mohfw.gov.in/pdf/Telemedicine.pdf

5. Advertising Standards Council of India, The Code for Self-Regulation of Advertising Content in India, Chapter I (truthful and honest representation), with influencer and health-adjacent guidelines. https://www.ascionline.in/the-asci-code-guidelines

6. International Coaching Federation, ICF Code of Ethics (in force 1 April 2025) and ICF Core Competencies, Competency 1.06-1.07. Definition of coaching; distinction from psychotherapy; referral. https://coachingfederation.org/credentialing/coaching-ethics/icf-code-of-ethics/

7. The Consumer Protection Act, 2019 (Act No. 35 of 2019). Sections 2(1), 2(28), 10, 21, 88, 89. Gazette: http://egazette.nic.in/WriteReadData/2019/210422.pdf

8. Central Consumer Protection Authority, Guidelines for Prevention of Misleading Advertisements and Endorsements for Misleading Advertisements, 2022, notified 9 June 2022. https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1832906

9. Gururaj G, Varghese M, Benegal V, Rao GN et al., National Mental Health Survey of India, 2015-16: Prevalence, Patterns and Outcomes, NIMHANS Publication No. 129, Bengaluru, 2016. https://ruralindiaonline.org/media/documents/National_Mental_Health_Survey_of_India_2015-16_Prevalence_Patterns_and_Outcomes.pdf

10. Department-Related Parliamentary Standing Committee on Health and Family Welfare, 148th Report on Mental Health Care and Its Management in Contemporary Times, presented 4 August 2023. https://sansad.in/getFile/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/187/148_2023_9_17.pdf?source=rajyasabha

11. World Health Organization, India, “Mental health” country page. Figures cited as published on the page, accessed 22 September 2026. https://www.who.int/india/health-topics/mental-health

12. Ministry of Health and Family Welfare, National Tele Mental Health Programme / Tele-MANAS. Service page and toll-free numbers 14416 / 1800-891-4416. https://telemanas.mohfw.gov.in/telemanas-services

13. Ministry of Health and Family Welfare, Lok Sabha written reply on Tele-MANAS scale (36 States/UTs, 53 cells, 20 languages, 34.34 lakh calls), as on 3 March 2026. https://sansad.in/

14. The Digital Personal Data Protection Act, 2023 (Act No. 22 of 2023). https://www.meity.gov.in/static/uploads/2024/06/2bf1f0e9f04e6fb4f8fef35e82c42aa5.pdf

लेखक के बारे में

लेखक के बारे में	**डॉ. अतुल असवानी**; मुंबई के साइकियाट्रिस्ट और ट्रेंड रिज़ल्ट्स कोच

हवाला कैसे दें	Aswani A. द लाइन. EmotionApp White Paper 9 (Hindi edition). Mumbai: Tranquilo Meditek Sytems Private Limited; 2026. https://emotionapp.in/research
अपडेट	22 September 2026

नोट

इमोशनऐप एक नॉन-क्लिनिकल इमोशनल फ़िटनेस कोचिंग प्लेटफ़ॉर्म है। यह पेपर प्रैक्टिस, तरीकों और कोचिंग के बारे में है। यह थेरेपी, इलाज, डायग्नोसिस या मेडिकल सलाह नहीं है।

© 2026 Tranquilo Meditek Sytems Private Limited, Mumbai · emotionapp.in

सुरक्षा नोट

अगर आप परेशानी में हैं, तो किसी योग्य प्रोफ़ेशनल से या Tele-MANAS (14416) पर बात करें।